vinetur

इटली और 16 ईयू सदस्य देशों ने ब्रसेल्स से विदेशों में भौगोलिक संकेतों की रक्षा की अपील की

अपील में कहा गया है कि अमेरिकी व्यापार नीति और नए इंटरनेट डोमेन Champagne, Prosecco और Gorgonzola जैसे नामों का संरक्षण कमजोर कर सकते हैं

मंगलवार, 24 नवंबर 2026



इटली और यूरोपीय संघ के 16 अन्य सदस्य देशों ने यूरोपीय आयोग से तीसरे देशों के बाजारों में भौगोलिक संकेतों की रक्षा के लिए साझा रणनीति बनाने को कहा है। उनका तर्क है कि अमेरिका की हालिया पहल और डिजिटल डोमेन से जुड़े फैसले, खाद्य और पेय पदार्थों के उन नामों की सुरक्षा करने वाली यूरोप की प्रमुख प्रणालियों में से एक को कमजोर कर सकते हैं, जो अपने मूल स्थान से जुड़े हैं।

सोमवार, 23 नवंबर को जारी एक बयान में इटली के कृषि मंत्री Francesco Lollobrigida ने कहा कि यह समूह अंतरराष्ट्रीय मंचों और व्यापार वार्ताओं में मूल स्थान के नामों की रक्षा के लिए समन्वित ईयू कार्रवाई चाहता है। उन्होंने कहा कि भौगोलिक संकेतों की रक्षा का अर्थ किसानों के काम और उत्पादों तथा उनके क्षेत्रों के बीच के संबंध की रक्षा करना है।

इटली के कृषि मंत्रालय के अनुसार, इटली द्वारा प्रस्तुत सूचना-पत्र को Austria, Bulgaria, Cyprus, the Czech Republic, Finland, France, Greece, Hungary, Luxembourg, Malta, Poland, Portugal, Romania, Slovakia, Slovenia और Spain का समर्थन मिला। दस्तावेज़ में चेतावनी दी गई है कि कई अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रम भौगोलिक संकेत प्रणाली को कमजोर कर सकते हैं, जिसे यूरोप में जीआई संरक्षण के नाम से जाना जाता है।

भौगोलिक संकेत ऐसे नामों को मिलने वाली कानूनी सुरक्षा हैं, जो किसी विशिष्ट स्थान और उत्पादन विधि से जुड़े होते हैं। वाइन और स्पिरिट्स कारोबार में इनमें वे अपीलेशन शामिल हैं, जिनका मूल्य किसी उत्पाद और उसके मूल स्थान के बीच मान्य संबंध पर काफी हद तक निर्भर करता है। यदि विदेशों में इन नामों को सामान्य शब्द मान लिया जाता है, तो उत्पादकों को कम मूल्य-प्रीमियम, व्यावसायिक रूप से अलग पहचान बनाने में कठिनाई और निर्यात बाजारों में अधिक कानूनी अनिश्चितता का सामना करना पड़ सकता है।

इटली के मंत्रालय ने कहा कि उसकी एक प्रमुख चिंता अमेरिका है, जहां Farm Bill में संशोधन और Safeguarding American Food and Export Trade Yields Act of 2025 का उद्देश्य भौगोलिक संकेतों को "सामान्य नाम" के रूप में वर्गीकृत करना है, जिनका स्वतंत्र रूप से उपयोग किया जा सकता है। इटली और अन्य सदस्य देशों का तर्क है कि ऐसा रुख यूरोपीय नामों को मिलने वाली मौजूदा अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा को कमजोर करेगा और उन व्यापारिक संबंधों को जटिल बना सकता है, जिनमें ईयू पहले ही संरक्षित उत्पादों को मान्यता दिलाने पर बातचीत कर चुका है।

मंत्रालय ने Argentina, Bangladesh, Cambodia, Ecuador, El Salvador, Guatemala, Indonesia, Jordan, Malaysia और Taiwan सहित 10 देशों के साथ वॉशिंगटन के पारस्परिक व्यापार समझौतों का भी उल्लेख किया। उसके अनुसार, ये इस बात का प्रमाण हैं कि अमेरिकी रुख पहले ही बाहरी व्यापार नीति में दिखाई दे रहा है। मंत्रालय ने कहा कि India समेत अन्य देशों के साथ भी ऐसी ही बातचीत चल रही है, जिससे Mercosur जैसे पहले से लागू ईयू समझौतों या Thailand, Malaysia और India के साथ जारी वार्ताओं से टकराव का जोखिम पैदा होता है।

इटली की अगुआई वाली पहल ने डिजिटल क्षेत्र से जुड़ी एक और चिंता भी उठाई। मंत्रालय ने कहा कि इंटरनेट डोमेन नामों के आवंटन के लिए जिम्मेदार संगठन Internet Corporation for Assigned Names and Numbers (ICANN) ने ऐसे नए सामान्य इंटरनेट डोमेन आवंटित किए हैं, जिनमें यूरोपीय मूल-नामों से जुड़े नाम शामिल हैं। इनमें .asiago, .gorgonzola, .champagne, .porto, .budweiser, .cava और .tokaj शामिल हैं। यूरोपीय सरकारों को आशंका है कि मजबूत सुरक्षा उपायों के बिना इन डोमेनों का इस्तेमाल व्यावसायिक दुरुपयोग या उपभोक्ताओं में भ्रम पैदा करने का एक और रास्ता बन सकता है।

Lollobrigida ने कहा कि इटली के प्रस्ताव में ईयू से ऐसी व्यापक रणनीति अपनाने का आग्रह किया गया है, जिसमें कानूनी संरक्षण, जागरूकता अभियान और तीसरे देशों के साथ तकनीकी सहयोग शामिल हों। मंत्रालय ने कहा कि मकसद केवल अदालतों या व्यापार वार्ताओं में यूरोपीय नामों की रक्षा करना नहीं है, बल्कि विदेशों में स्पष्ट नियमों और मान्यता प्रणालियों को बढ़ावा देना भी है, जो स्थानीय उत्पादन और क्षेत्रीय विकास के साथ सह-अस्तित्व में रह सकें।

यह पहल ऐसे समय में आई है जब ईयू द्विपक्षीय समझौतों के जरिए भौगोलिक संकेतों का संरक्षण हासिल करने की कोशिश जारी रखे हुए है। Fondazione Qualivita और Origin Italia के अनुसार, ईयू और Indonesia ने 21 नवंबर को एक व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते और एक निवेश संरक्षण समझौते पर हस्ताक्षर किए। सितंबर 2025 में वार्ताएं पूरी हुई थीं। इन समझौतों का उद्देश्य व्यापारिक संबंध गहरे करना, बाधाएं घटाना और बौद्धिक संपदा संरक्षण मजबूत करना है।

Qualivita के अनुसार, भौगोलिक संकेतों के मामले में Indonesia के साथ हुए समझौते के तहत Indonesia में ईयू के 221 नामों और ईयू में Indonesia के 72 नामों को संरक्षण मिलेगा। समझौते में शामिल यूरोपीय नामों में Italy के 38 नाम हैं, जो France के बाद दूसरे स्थान पर है। समझौते में Italy की सबसे बड़ी श्रेणी वाइन की है, जिसके 20 संरक्षित अपीलेशन हैं। इसके बाद नौ चीज़, पांच मांस उत्पाद, दो फल और सब्ज़ी उत्पाद, एक सिरका और एक स्पिरिट पेय शामिल हैं।

सूची में शामिल वाइन के नामों में Asti, Barbaresco, Barolo, Brunello di Montalcino, Chianti, Conegliano Valdobbiadene-Prosecco, Franciacorta, Marsala, Montepulciano d'Abruzzo, Prosecco, Soave और Vino Nobile di Montepulciano शामिल हैं। स्पिरिट्स श्रेणी में Grappa है। पेय क्षेत्र के लिए यह सूची दिखाती है कि यूरोपीय निर्यात में भौगोलिक संकेतों का संरक्षण कितना अहम है : विदेशी बाजारों में नकल के सबसे अधिक जोखिम वाले कई उत्पाद वाइन और स्पिरिट्स हैं, जिनकी बाजार में स्थिति संरक्षित स्थान-नाम पर निर्भर करती है।

Qualivita ने कहा कि ईयू-Indonesia समझौते के बौद्धिक संपदा संबंधी अध्याय में संरक्षित नामों के अनुचित व्यावसायिक इस्तेमाल, नकल और उनसे मिलते-जुलते नामों के इस्तेमाल के खिलाफ प्रावधान हैं। इसमें उन तरीकों पर भी रोक है, जिनसे उपभोक्ता किसी उत्पाद के मूल स्थान के बारे में भ्रमित हो सकते हैं। समझौते में गैरकानूनी इस्तेमाल के खिलाफ प्रशासनिक और न्यायिक उपायों का भी प्रावधान है और भविष्य में संरक्षित मूल-नामों की सूची का विस्तार करने की गुंजाइश रखी गई है।

Gorgonzola, Grana Padano और Parmigiano Reggiano समेत कुछ इतालवी उत्पादों को Indonesia में पहले से ही प्रत्यक्ष पंजीकरण के जरिए संरक्षण मिला हुआ था। उम्मीद है कि नया समझौता इस संरक्षण को और मजबूत करेगा। व्यापक रूप से देखें तो यूरोप में भौगोलिक संकेतों के संरक्षण के समर्थक ऐसे द्विपक्षीय समझौतों को उन अन्य बाजारों में चल रहे प्रयासों का व्यावहारिक जवाब मानते हैं, जहां संरक्षित नामों को सामान्य शब्द बनाने की कोशिश की जा रही है।

ईयू-Indonesia समझौतों को अभी आंतरिक अनुमोदन प्रक्रियाएं पूरी करनी हैं। यूरोपीय पक्ष में इसके लिए यूरोपीय संसद की मंजूरी भी जरूरी है। यूरोपीय आयोग के अनुसार, आवश्यक प्रक्रियाएं पूरी होने पर 2027 के शुरुआती महीनों में इन समझौतों का अस्थायी अनुप्रयोग शुरू हो सकता है।

इटली की अगुआई में ब्रसेल्स से की गई अपील से संकेत मिलता है कि सदस्य देश चाहते हैं कि ईयू अलग-अलग मामलों पर होने वाली वार्ताओं से आगे बढ़कर व्यापार नीति, बौद्धिक संपदा प्रवर्तन और ऑनलाइन प्रशासन के क्षेत्रों में अधिक एकीकृत रुख अपनाए। मूल-नाम पर आधारित ब्रांडिंग पर निर्भर वाइन, बीयर और स्पिरिट्स उत्पादकों के लिए इसका नतीजा यह तय कर सकता है कि निर्यात ऐसे बाजारों में बढ़ने के साथ उनके नामों की रक्षा कितनी मजबूती से होगी, जहां संरक्षण के नियम एकसमान नहीं हैं।